

सम्मान की अपेक्षा

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

प्रेम और सम्मान की भावना तथा अनुभूति आपके भीतर ही निवास करती हैं। जब आपके हृदय में निर्मलता और मन में स्पष्टता होती है, तब ये भावनाएँ स्वाभाविक रूप से प्रकट होती हैं। प्रेम और सम्मान अपने आप घटित होते हैं। यदि आप प्रयास करके अपने भीतर सम्मान या प्रेम लाना चाहेंगे, तो यह प्रयास असफल होगा। आप स्वयं को तनाव से मुक्त रखें और मन में ज्ञान धारण करें। ज्ञान का अर्थ है – संसार को व्यापक दृष्टिकोण से देखना तथा स्थायी और अस्थायी के अंतर को समझना। लोगों की राय और उनके विचार – ये सब अस्थायी हैं। यह सब परिवर्तनशील है; यह स्मरण रखना चाहिए। सम्मान की लालसा न रखें। कोई आपको सम्मान देता है या नहीं देता, यह उसकी पसंद है; लेकिन यदि आपका जीवन दूसरों के सम्मान पर निर्भर है, तो आप दुर्बल हो जाते हैं। जितनी अधिक निर्भरता होगी, उतना ही आप अधिक कमजोर होते जाएँगे और अधिक दु:खी भी होंगे। आपको यह जानना चाहिए कि मुझे किसी के सम्मान की आवश्यकता नहीं है –मेरा सम्मान मेरे भीतर है। इसका अर्थ यह नहीं कि आप असम्मानजनक व्यवहार करें। आप सभी को सम्मान दें, किंतु बदले में सम्मान की अपेक्षा न रखें। यदि कोई आपको सम्मान नहीं देता, तो स्वाभाविक बने रहें। यह उनकी संस्कृति और उनके विकास के स्तर को दर्शाता है। यदि आप अधिक विकसित और परिपक्व हैं, तो आप हर किसी का सम्मान करेंगे – चाहे वह समझदार हो या पागल। आप एक पागल व्यक्ति का भी सम्मान करेंगे, क्योंकि यह आपका स्वभाव है। वे भी सृष्टि का ही एक भाग हैं; वे भी उसी दिव्यता से जुड़े हैं। आप सभी का सम्मान करें। यह दर्शाता है कि आप कितने बुद्धिमान हैं। सम्मान की अपेक्षा करना हमारी कमजोरी को प्रकट करता है, जबकि बिना किसी भेदभाव के सभी को सम्मान देना हमारी बुद्धिमत्ता को दर्शाता है। प्रेम इस सृष्टि का मूल आधार है। वह कभी समाप्त नहीं होता; वह सदैव विद्यमान रहता है। प्रेम दीजिए – वह कई गुना होकर आपके पास लौटेगा। प्रेम से विरह उत्पन्न होता है, और विरह ही भगवान है; प्रेम ही भगवान है। विरह के बिना जीवन अर्थहीन हो जाता है। विरह उत्पन्न करना गुरु का कार्य है। लोग संसार के लिए दु:खी होते हैं, किंतु यदि संसार के दु:ख से ऊपर उठकर भगवान के लिए विरह उत्पन्न हो जाए, तब जीवन का उद्देश्य पूर्ण हो जाता है। इसलिए विरह का जन्म होना अत्यंत शुभ है। प्रेम और विरह, ये दोनों साथ-साथ चलते हैं। उसकी खोज करो, उसके लिए तड़पो, उसे पाने की आकांक्षा रखो और यह खोज स्वयं में ही सुंदर है। दिव्यता के लिए तड़पना, सर्वोच्च सत्य के लिए लालायित होना, अपने आप में अत्यंत सुंदर है। इसीलिए तड़प को राधा कहा गया है। राधा का अर्थ है – लालसा, तड़प; और श्याम का अर्थ है – प्रेम। तड़प और प्रेम साथ-साथ चलते हैं। यदि तड़प नहीं है, तो प्रेम भी नहीं हो सकता; और जहाँ प्रेम है, वहाँ तड़प अवश्य होती है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

जलगांव में आरएसएस के पथ संचालन के दौरान तनाव

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए। जानकारी के मुताबिक यावल तालुका स्थित किनगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से पथ संचलन रैली निकालने की तैयारी के दौरान तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोगों मस्जिद के सामने से पथ संचलन के गुजरने का विरोध किया। वहीं हालात बिगड़ता देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।



मिली जानकारी के मुताबिक, शहर से गुजरने वाले पथ संचलन के समय मस्जिद के सामने से गुजरते समय एक समूह ने विरोध किया। एक मस्जिद के सामने से रैली ले जाने को लेकर विरोध जताते हुए पुरुषों ने महिलाओं को आगे कर धरने पर बैठा दिया। इसी दौरान मौके पर तनाव बढ़ गया और कुछ स्थानों पर पथराव शुरू हो गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। इस घटना से किंगांव इलाके में हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस बंदोबस्त के बीच पथ संचलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जलगांव जिले का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

मस्जिद के सामने विरोध में बैठे लोग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है और सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप गावित, डिवीजनल पुलिस अधिकारी अनिल बडगुजर और भुसावल, यावल और रावेर से बड़ी संख्या में पुलिस बल किंगांव पहुंच गया है। फिलहाल किनगांव में स्थिति नियंत्रण में है और इलाके में तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। धार्मिक स्थल के सामने से जुलूस निकालने के मुद्दे पर हुए विवाद से कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है। पता चला है कि पुलिस प्रशासन हालात को काबू में करने की कोशिश कर रहा है ताकि कोई अनहोनी न हो। हालांकि, अब सवाल उठ रहे हैं कि जुलूस के रास्ते को लेकर यह विवाद आखिर किस वजह से भड़का, पत्थरबाजी किसने शुरू की और इस पूरी घटना के लिए कौन जिम्मेदार है। इस घटना और आगे की कार्रवाई को लेकर पुलिस प्रशासन के आधिकारिक रुख पर ध्यान दिया जा रहा है।

यामी गौतम की 'नयी नवेली' आठ दिनों में 30 करोड़ का कारोबार की



मुंबई (एजेंसी)। यामी गौतम स्टारर फिल्म नई नवेली ने आठ दिनों में दुनियाभर में करीब 30 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। यह मूवी प्रहार जैसी फिल्मों को टक्कर दे रही है। बालाजी मोहन के निर्देशन में बनी यामी गौतम की फिल्म नई नवेली एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अभिनेत्री ने मोहिनी नाम की रहस्यमयी बहू का किरदार निभाया है, जिसे देखने के बाद डर का माहौल बनने लगता है। ऐसे में फिल्म की कहानी, कमाई और एक्ट्रेस के अभिनय ने इसे एक बार फिर बॉलीवुड की महिला प्रधान फिल्मों को चर्चा में ला दिया है। कभी हीरो के नाम पर टिकट बेचने वाली इंडस्ट्री में अब अभिनेत्रियां भी अपने दम पर दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही हैं। ऐसे में आइए इस फिल्म के साथ-साथ अब जानते हैं उन चर्चित वुमन सेंट्रिक फिल्मों के बारे में, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल करने के साथ महिला किरदारों की ताकत भी दिखाई। नरगिस स्टारर मदर इंडिया भारतीय सिनेमा की सबसे यादगार महिला प्रधान फिल्मों में शामिल है। महबूब खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म राधा नाम की महिला की कहानी है, जो गरीबी, कर्ज और सामाजिक मुश्किलों के बीच अपने बच्चों की परवरिश करती है। पति के साथ छोड़ जाने के बाद भी राधा हार नहीं मानती और अकेले अपने परिवार की जिम्मेदारी उठाती है। फिल्म में एक मां के संघर्ष, स्वाभिमान और न्याय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाया गया है।

फ्लोरिडा में यूनिवर्सिटी के पास गोलीबारी, 11 घायल

वाशिंगटन (एजेंसी)। फ्लोरिडा के तल्लाहासी में फ्लोरिडा ए एंड एम यूनिवर्सिटी के ब्रैग स्टेडियम के पास गोलीबारी का मामला सामने आया है। इस गोलीबारी में कम से कम 11 लोग घायल हो गए, जिनमें 6 नाबालिग भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन 11 लोगों को गोली लगी है। तल्लाहासी शहर की वेबसाइट पर जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह घटना शनिवार (स्थानीय समयानुसार) रात 8 बजे से ठीक पहले पेरी और मैनाटी सड़कों के चौराहे के पास हुई।

कई नाबालिग भी शामिल

तल्लाहासी पुलिस विभाग ने बताया कि रात 11:30 बजे तक, गोलीबारी में घायल हुए लोगों में से कम से कम तीन की हालत गंभीर थी, जबकि नौ अन्य की हालत स्थिर बताई गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल 12 घायलों में छह वयस्क और छह नाबालिग हैं। 12वें व्यक्ति, जो गोली लगने वाले एक पीड़ित की दादी हैं, वे घटनास्थल से भागते समय घायल हो गईं। बयान में कहा गया है, शुरुआती जांच से पता चलता है कि गोलीबारी से पहले वहां हाथापाई हुई थी। हिंसक अपराध इकाई ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। जासूस यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।



तल्लाहासी पुलिस प्रमुख लॉरेंस रेवेल ने घायलों, खासकर बच्चों को लगी चोटों पर चिंता जताई। उन्होंने गोलीबारी के तुरंत बाद पीड़ितों की मदद करने के लिए पुलिस अधिकारियों की तारीफ की। रेवेल ने कहा, आज रात, हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं, जो इस हिंसा के भयानक असर का सामना कर रहे हैं।

पुलिस प्रमुख ने बताया कि घटनास्थल के पूरी तरह सुरक्षित होने से पहले ही, अधिकारियों ने पीड़ितों की मदद के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। रेवेल ने कहा, गोलीबारी के तुरंत बाद, और घटनास्थल के पूरी तरह सुरक्षित होने से पहले ही, हमारे अधिकारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर पीड़ितों को सुरक्षित बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। उनका यह काम किसी वीरता से कम नहीं है। यह उस साहस और करुणा को दर्शाता है, जो हमारे अधिकारी हर दिन इस समुदाय के लिए दिखाते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हमारे जासूस यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि असल में क्या हुआ था और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। हम इन परिवारों को जवाब दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपील करते हैं कि जिनके पास भी कोई जानकारी हो, वे आगे आएं और इस काम में हमारी मदद करें। पुलिस विभाग ने बताया कि मामले की जांच अभी भी जारी है।

साथ ही, यह भी स्पष्ट किया कि यह शुरुआती जानकारी है और जैसे-जैसे जांचकर्ता सबूत जुटाएंगे और गवाहों से बात करेंगे, इसमें बदलाव हो सकता है।

भोपाल में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को आधुनिक, सुलभ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की गई है। इसके प्रभावी संचालन के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमपीवाईपीआईएल) के मुख्यालय तथा 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के कार्यालयों की स्थापना एवं विस्तार का कार्य किया जा रहा है। एमपीवाईपीआईएल का मुख्यालय भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी परिसर में स्थापित किया जा रहा है। यहां कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 150 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था होगी। इस सेंटर के माध्यम से 7 क्षेत्रीय कंपनियों के साथ समन्वय कर प्रदेशभर में संचालित बसों की निगरानी की जाएगी। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और परिवहन सेवाओं के प्रभावी नियंत्रण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। वर्ष 2030-31 तक लगभग 15 हजार बसों के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन कंपनियों के माध्यम से प्रदेश में सिटी बस, इंटरसिटी बस और इंटरस्टेट बस सेवाओं का संचालन किया जाएगा।

7 शहरों में क्षेत्रीय कंपनियों के कार्यालय

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 25 सितंबर 2026 को पीएम ई बससेवा-मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ किया था। इसके साथ ही एमपीवाईपीआईएल के माध्यम से प्रदेश में बसों का विधिवत संचालन प्रारंभ हो गया है। परिवहन सेवाओं के बेहतर प्रबंधन, संचालन में समन्वय और यात्रियों की सुरक्षा के लिए मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कंपनियों के स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। प्रदेश में बस परिवहन सेवाओं के बेहतर संचालन और निगरानी के लिए भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा जिले में 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के कार्यालय स्थापित एवं विकसित किए जा रहे हैं।

लखनऊ : वकीलों के अवैध चेंबर्स पर बुलडोजर एक्शन

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ में रविवार को बुलडोजर एक्शन हो रहा है। लखनऊ के कैसरबाग स्थित सिविल और जिला कोर्ट परिसर के बाहर वकीलों के अवैध चेंबर्स को बुलडोजर से तोड़ा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, नगर निगम के बुलडोजर अवैध चेंबर्स को ध्वस्त कर रहे हैं। चेंबर्स तोड़ने का विरोध करते हुए कई वकील सड़कों पर लेट गए। कार्रवाई के मद्देनजर कचहरी के आसपास भारी पुलिस तैनात है।

पुलिस ने बताया कि पीएसी के साथ कई थानों की फोर्स तैनात की गई है। एडीसीपी, एसीपी समेत नगर निगम के अधिकारी मौजूद हैं। कोर्ट के आदेश पर नगर निगम ये कार्रवाई कर रहा है। नगर निगम ने 211 चैंबरों को गिराने के लिए चिह्नित किया था।

इससे पहले वकील हाई कोर्ट में नगर निगम के खिलाफ अपील लेकर पहुंचे थे, जिसे खारिज कर दिया गया था। मई से अगस्त के बीच दो बार में 72 अवैध चैंबर तोड़े जा चुके हैं। इसके पहले नोटिस के खिलाफ आई 14 आपत्तियों पर समाधान भी दे दिया गया है। प्रस्तावित अभियान 11 अक्तूबर को होना था लेकिन आपत्तियों के निपटारे और कोर्ट में अपील लंबित होने के कारण इसे टाल दिया गया था।

नगर निगम ने वकीलों को नोटिस जारी कर 30 अगस्त तक अवैध चैंबर खाली करने को कहा था। इनमें से कई ढांचे नालों के ऊपर बनाए गए हैं। ये चैंबर और अन्य ढांचे लखनऊ जिला अदालत परिसर के पास सार्वजनिक रास्तों और सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर बनाए गए हैं। चैंबरों पर लाल रंग से क्रॉस के निशान लगाए गए हैं। खबरों के अनुसार, निशान लगाए जाने के बाद वकीलों ने चैंबर खाली कर दिए थे। हाई कोर्ट ने नोटिस जारी करने और अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। 17 मई को नगर निगम ने पुलिस और पीएसी जवानों के साथ मिलकर अवैध चैंबरों को गिराने की कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई का कड़ा विरोध हुआ था।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दो कारों की टक्कर में 2 की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार (25 अक्टूबर 2026) को भीषण सड़क हादसा हुआ है. पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार दो कारों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई. इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई. घटना में 7 लोग घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के मुताबिक, आजमगढ़ से लखनऊ की ओर जा रही अर्टिगा कार में एक परिवार सवार था. वहीं,लखनऊ से गाजीपुर की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार अचानक रॉन्ग साइड में आ गई. इससे दोनों कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे में स्विफ्ट डिजायर कार सवार बिहार निवासी श्याम बिहारी सिंह (62) और अजय कुमार गुप्ता (40) की मौके पर ही मौत हो गई. इसी कार में सवार कन्हैया और अशोक कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गए. सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया. गंभीर घायलों को जिला अस्पताल अंबेडकरनगर रेफर किया गया. वहीं अर्टिगा कार में सवार रीता (45), उनकी बेटियां दीक्षा (18) और दीपशिखा (21), आजमगढ़ के कलदूपुर निवासी गरिमा (25) और संदीप यादव (30) भी हादसे में घायल हो गए. बताया गया कि परिवार नवंबर में होने वाली बेटे की शादी के लिए खरीदारी करने लखनऊ जा रहा था. घायलों का इलाज सीएचसी दोस्तपुर में चल रहा है.हादसे की सूचना मिलते ही दोस्तपुर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है. इस घटना को लेकर सीओ कादीपुर विनय गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसा दोस्तपुर थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 162.7 पर बढ़ौली गांव के पास हुआ.



नागपुर में नकली नोटों का खेल

किराये के मकान से 37 लाख की जाली करेंसी मिली, छपाई का सामान भी बरामद

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर के वाठोडा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक मकान में नकली नोट छापने का मामला सामने आया। घटना की जानकारी मकान मालिक ने ही पुलिस को दी। मकान मालिक को नोट छापने वाले कागज दिखे थे, जिसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया। सूचना के बाद पुलिस ने जांच की तो भारी मात्रा में नकली नोट बरामद हुआ। इसके साथ ही नकली नोट बनाने के लिए प्रयोग की जाने वाली मशीन भी बरामद की गई है। जानकारी के मुताबिक आरोपी नागपुर का ही रहने वाला है, लेकिन उसने किराए पर मकान लिया था और नकली नोट बनाने का काम कर रहा था। फिलहाल आरोपी मौके से फरार है। बताया जा रहा है कि नकली नोट से जुड़ी डील के लिए वह मुंबई गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दरअसल, नागपुर के वाठोडा थाना क्षेत्र में किराए के रूम में रहने वाले युवक प्रिंटर के जरिए नकली नोट छाप रहे थे। वाठोडा स्थित 3 स्टार कोऑपरेटिव सोसाइटी के एक मकान में 500 रुपये के नोट जैसे दिखने वाले कागज बिखरे मिले। मकान मालिक को सोफे पर नोट जैसी छपाई वाले कागज दिखाई दिए, तो उसे संदेह हुआ। इसके बाद मकान मालिक ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। वाठोडा पुलिस ने जांच की तो वहां से नोटों जैसे छपाई वाले कागजों के अलावा लैपटॉप, कलर प्रिंटर, पेपर कटर, स्याही की बोतलें और अन्य सामग्री बरामद हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जब पुलिस मौके पर पहुंची तो जांच करने पर 37 लाख रुपये के नकली नोट बरामद हुए। इस दौरान लाखों रुपये के अधूरे बने नोट भी पुलिस को मिले। इसके साथ ही पुलिस अब आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी पुष्पक बेनडाने नकली नोट छापने का काम पिछले डेढ़ वर्षों से कर रहा था। नागपुर का रहवासी होने के बावजूद उसने कमरा किराए पर लिया था। नोटों की डील करने के लिए ही वह मुंबई गया था। पुलिस का दावा है कि छापे गए नोट असली जैसे दिखाई देते हैं।



भगवान विष्णु की तपस्या से जुड़ा है बद्रीनाथ धाम

बद्रीनाथ (एजेंसी)। उत्तराखंड के हिमालय में स्थित बद्रीनाथ धाम में हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं. ऊंचे बर्फीले पहाड़ों, अलकनंदा नदी और प्राकृतिक सुंदरता से घिरा ये धाम भगवान विष्णु को समर्पित है. मान्यता है कि यहां भगवान विष्णु ने बद्री नारायण के रूप में तपस्या की थी. यही वजह है कि बद्रीनाथ को हिंदू धर्म के प्रमुख तीर्थों में गिना जाता है. यहां स्थित मंदिर के अलावा तप्त कुंड, नारद कुंड, पंचशिला और ब्रह्म कपाल जैसे कई धार्मिक स्थल भी श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं. इन स्थानों से जुड़ी पौराणिक कथाएं और धार्मिक मान्यताएं इस यात्रा को खास बनाती हैं. अगर आप भी बद्रीनाथ धाम जाने की योजना बना रहे हैं, तो यहां के प्रमुख तीर्थस्थलों और उनके महत्व के बारे में इस वीडियो में जान लें.

तप्त कुंड- बद्रीनाथ मंदिर के दर्शन से पहले श्रद्धालु तप्त कुंड में स्नान करते हैं. इसे अग्नि तीर्थ भी कहा जाता है. मान्यता है कि इस कुंड में स्नान करने और इसके बाद दान-पुण्य करने से भक्तों को पुण्य की प्राप्ति होती है. अलकनंदा नदी के निकट स्थित यह कुंड बद्रीनाथ यात्रा के प्रमुख पड़ावों में शामिल है. नारद कुंड और पंचशिला- तप्त कुंड से कुछ दूरी पर अलकनंदा नदी के दूसरे किनारे नारद कुंड स्थित है. इसके पास पांच पवित्र शिलाएं हैं, जिन्हें नारद शिला, गरुड़ शिला, मार्कंडेय शिला, नरसिंह शिला और वराह शिला कहा जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नारद शिला पर बैठकर महर्षि नारद ने भगवान विष्णु की तपस्या की थी. वहीं,



नरसिंह और वराह शिला का संबंध भगवान विष्णु के अवतारों से जोड़ा जाता है। श्रद्धालु इन शिलाओं के दर्शन और पूजा के लिए यहां आते हैं. बद्रीनाथ मंदिर भगवान विष्णु के बद्री नारायण स्वरूप को समर्पित है. मान्यता है कि भगवान विष्णु ने इस क्षेत्र में कठोर तपस्या की थी. गढ़वाल के शासक द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया था, जबकि इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होलकर ने मंदिर में स्वर्ण कलश स्थापित करवाया था.

आधा सेंटीमीटर से भी छोटे छेद से दूरबीन द्वारा फुल स्पाईन की हर तरह के ऑपरेशन के लिए पूर्वी भारत का पहला केन्द्र

- कोई चीरा नही
- बेहोशी की जरूरत नही
- कम खर्च / रियायती
- खून चढ़ाने की जरूरत नही
- दो घंटे में चलना, दर्द रहित
- अगले दिन छुट्टी

KINGS WAY PATNA
किंग्सवे मेडिकल सेन्टर, पटना
Mob. : 7033000109
(पी.जी. आई. चंडीगढ़ के डाक्टरों द्वारा संचालित)
देश व दुनिया के सर्वोच्च संस्थानों में कार्य अनुभव



डा. आनंद भूषण
MBBS (मणिपाल), MS ऑर्थो, राजस्थान (गोल्ड मेडल)
SRD (पी.जी.आई., चंडीगढ़)
किंग्स कॉलेज, लंदन, UK WWL हॉस्पीटल, राइन्टिंगटन, इंग्लैंड
हड्डी जोड़, नस, लिगामेंट एवं गठिया रोग विशेषज्ञ
स्पाईन एंडोस्कोपी व ज्वाइंट सर्जन (दूरबीन पद्धति)

अब आपके शहर पटना में राम मनोहर लोहिया हास्पीटल, नई दिल्ली के 25 वर्षो के अनुभवी प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 ए0 के ठाकुर उपलब्ध है।

HEALTHY HEART CLINIC
Dr. A. K. THAKUR
MD, DM, CARDIO (Gold Medalist)
PGI, RML Hospital, New Delhi
Visiting Consultant at
Asian City Hospital, Patna



ECG, ECHO, HOLTER, TMT, ABPM, ILR, ANGIOGRAPHY, ANGIOPLASTY, PACEMAKER ICD, CRTD इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है।
आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत योजना एवं TPA / इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की व्यवस्था
Adult Vaccination Available
एम 2/36, श्रीकृष्णापुरी, मिश्रा फार्मा के बगल में, कृष्णा अपाटमेंट के सामने, बोरिंग रोड, पटना
7061824674, 7250257778

बिहार सरकार



संदेश
मुख्यमंत्री
बिहार

दिनांक 26.10.2026 (सोमवार) से दिनांक 01.11.2026 (रविवार) तक राज्य में "सतर्कता अभिचेतना सप्ताह" का आयोजन किया जा रहा है।

बिहार सरकार भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में सतत् प्रयत्नशील है। इसके लिए सरकार ने भ्रष्टाचार के विरूद्ध "जीरो टॉलरेन्स" की नीति अपनाई है। परिणाम स्वरूप राज्य में सदाचार एवं नैतिकता को बढ़ावा देते हुए स्वच्छ प्रशासन देने एवं सुशासन स्थापित करने में निगरानी विभाग का योगदान उल्लेखनीय है।

भ्रष्टाचार का दीमक समाज को खोखला कर देता है एवं समाज चाहकर भी विकास की राह पर तेजी से आगे नहीं जा पाता है। यद्यपि ससमय एवं शीघ्र की गई दंडात्मक कार्रवाई भ्रष्टाचार पर नियंत्रण हेतु प्रभावी कारक है, तथापि भ्रष्टाचार के कारण होने वाले गंभीर परिणामों एवं उत्पन्न खतरों के प्रति समाज में जागरूकता की भी आवश्यकता है।

मैं "सतर्कता अभिचेतना सप्ताह" की सफलता के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ एवं राज्य के लोगों से यह अपेक्षा रखता हूँ कि जो व्यक्ति जहाँ–कहीं भी जिस रूप में सेवा दे रहे हैं, वहाँ स्वच्छता, तत्परता एवं ईमानदारी को प्राथमिकता दें एवं भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में सहयोग प्रदान करें।

(सम्राट चौधरी)

PR. No. 014230 (Vigilance)D.2026-27